

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



चिकित्सीय आपातकाल/एम्बुलेंस सेवा के लिए कृपया 112 पर डायल करें।

रजि.न.34300/80 | संख्या 291 | श्री विजय पुरम, शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

पीएम–किसान की 24वीं किस्त जारी, अण्डमान–निकोबार के 13,045 किसानों को 2.61 करोड़ रूपए का लाभ





श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आज गुजरात के बनासकांठा से पीएम–किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की गई, जिसे ''पीएम–किसान उत्सव दिवस'' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर देश के 9.34 करोड़ से अधिक पात्र किसानों को 18,680 करोड़ रूपए से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई।

इस राष्ट्रीय कार्यक्रम मे माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की, साथ ही लोक निवास, श्री विजय पुरम में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित भी किया गया, जिसमे 24वीं किस्त के तहत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के 13,045 पात्र किसानों को 2.61 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। योजना के प्रारंभ से अब तक द्वीपसमूह के 18,105 किसानों को कुल 67.06 करोड़ रूपए का लाभ दिया जा चुका है। इस अवसर पर द्वीपसमूह भर में सीआईएआरआई, केवीके, ज़िलों, खंडों एवं ग्राम पंचायतों में कुल 59 कार्यक्रमों के माध्यम से किस्त विमोचन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें 1,535 किसानों व अधिकारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर माननीय सांसद, आयुक्त–सह–सचिव (कृषि), सचिव (कृषि), निदेशक, सीआईएआरआई, केवीके वैज्ञानिक, पीआरआई प्रतिनिधि, लाभार्थी किसान एवं कृषि विभाग के अधिकारी, पंचायती राज संस्था के सदस्य, प्रधान (मीठाखाड़ी), प्रधान (सीपीघाट), प्रधान (छोलदारी), प्रधान (टुसनाबाद) तथा अन्य प्रधानगण, कृषि अधिकारी और अण्डमान के अन्नदाता उपस्थित रहे।

शुभकामनाएँ



जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, मैं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में निवास कर रहे इन दोनों केंद्रशासित प्रदेशों के सभी लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। यह अवसर उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली परंपराओं तथा अदम्य साहस और संकल्प की भावना का स्मरण करने का है।

जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख अपनी अनुपम प्राकृतिक सुंदरता, विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, आध्यात्मिक परंपराओं और समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के लिए विख्यात हैं। इन क्षेत्रों की विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि भारत की सभ्यतागत विरासत को और अधिक गौरवशाली बनाती है। 31 अक्टूबर, 2019 को केंद्रशासित प्रदेशों के रूप में इनके गठन के पश्चात, शांति, प्रगति एवं समावेशी विकास की दिशा में इनकी यात्रा ने नई आकांक्षाओं और संभावनाओं को बल प्रदान किया है।

स्थापना दिवस हमें भारत की एकता, अखंडता और विविधता में एकता के शाश्वत मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भले ही भौगोलिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से भिन्न हों, किंतु शांति, सद्भाव, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की आकांक्षा से एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। आइए, हम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में अपना सामूहिक योगदान दें।

इस पुनीत अवसर पर, मैं जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख के लोगों के लिए निरंतर शांति, प्रगति और समृद्धि की कामना करता हूँ। आशा है कि ये दोनों केंद्रशासित प्रदेश विकास एवं उपलब्धियों के नए आयाम स्थापित करेंगे तथा इनकी गौरवशाली विरासत, सांस्कृतिक विविधता और एकजुटता की भावना आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

(डॉ. दिनेश शर्मा)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

जनता दर्शन में माननीय उप राज्यपाल ने की विकासात्मक पहलों की घोषणा, जन शिकायतों की सुनवाई कर समाधान हेतु दिए निर्देश

द्वीपों के समग्र एवं चहुमुखी विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से जनता दर्शन का आयोजन

- जन आकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण कदम
- द्वीपवासियों को बेहतर सुविधांए, विकास एवं जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता निरंतर जारी रहेगी
- विकासात्मक पहलों एवं जनकल्याणकारी घोषणाओं की जानकारी
- नियमित जनसुनवाई एवं स्थानीय स्तर पर शिकायतों के समाधान के निर्देश









श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जनसहभागिता से लोकतंत्र का सशक्तिकरण करने तथा प्रशासन को जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से आज लोक निवास में जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने द्वीपसमूह में विभिन्न विकासात्मक पहलों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की उदघोषणा की तथा आम नागरिकों की शिकायतों को व्यक्तिगत रूप से सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

आयोजित जनता दर्शन के दौरान माननीय उप राज्यपाल महोदय ने नागरिकों की शिकायतें सुनने से पूर्व द्वीपसमूह के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। पेयजल संकट के समाधान के लिए गुप्तापाड़ा और बर्मानाला में चेक डैम निर्माण हेतु डीपीआर तैयार करने की अनुमति दी गई है, जिससे 13,000 मिलियन लीटर अतिरिक्त जल भंडारण क्षमता विकसित होगी और चेक डैम, तालाबों एवं मिनी डैम के निर्माण से जल भंडारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। विद्युत आपूर्ति में सुधार हेतु होप टाउन में एनटीपीसी द्वारा 50 मेगावाट का एलएनजी आधारित विद्युत संयंत्र वर्ष 2029 तक स्थापित किया जाएगा और पीएम सूर्य घर योजना के तहत 11,618 घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। एनएच–4 पर 40 से 60 किलोमीटर तक की सड़क फरवरी, 2027 तक वाहन चलाने योग्य हो जाएगी। मछुआरा महिला की मृत्यु के विरोध में प्रदर्शन के दौरान 51 व्यक्तियों पर दर्ज़ मामले को वापस लेने के लिए न्यायालय में पैरवी की जाएगी तथा निकोबारी जनजाति के मरीज़ों को एक सहायक के साथ निकोबार से श्री विजय पुरम तक निःशुल्क हेलीकॉप्टर यात्रा की सुविधा देने की घोषणा की। केन्द्र सरकार की अंतरिम राहत योजना 2026 के तहत सरकारी परिवहन बस दुर्घटना पर मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये तक और गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को 1 लाख रुपये तक का मुआवज़ा दिया जाएगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए 170 करोड़ रुपये की लागत से 500 बिस्तरों वाले अस्पताल को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है और सभी उपकरण व दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जी.बी. पंत अस्पताल में एमआरआई एवं आईसीयू उन्नयन, गाराचरामा में 50 बिस्तरों वाला क्रिटिकल केयर ब्लॉक के निर्माण में तीव्रता लाई जाएगी तथा ऑपरेशन थिएटर का शुभारंभ किया गया है। आयुष्मान भारत के तहत गंभीर मरीज़ों के रेफरलः स्ट्रेचर पर मरीज़ के जहाज़ टिकट का खर्च यात्रा से पहले उपलब्ध कराया जाएगा। परिवहन सुविधाओं के तहत कोचीन शिपयार्ड द्वारा 700 यात्रियों और 1300 टन माल क्षमता वाला नया पोत दो वर्षों में उपलब्ध कराया जाएगा। कैंपबेल बे के लिए नई बस नवंबर, 2026 के अंत तक पहुँचने की उम्मीद है। एमटी आईरिस जहाज़ के माध्यम से पेट्रोल–डीज़ल का परिवहन शुरू हो गया है और एलपीजी के लिए नया जहाज़ फरवरी, 2027 तक उपलब्ध होगा, जिससे भंडारण क्षमता 16 दिन से बढ़कर 90 दिन हो जाएगी।

समाज कल्याण के तहत रंगत में 84 बिस्तरों वाला कामकाजी महिला हॉस्टल शीघ्र शुरू होगा और डिगलीपुर में वृद्धाश्रम के निर्माण को मंजूरी दी गई है। प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में तीन माह के भीतर बच्चों के लिए खिलौनों की व्यवस्था की जाएगी। पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तिकरण हेतु 144.13 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं और 30.05 करोड़ रुपये शीघ्र जारी होंगे, वहीं लगभग 8 करोड़ रुपये के 18 ग्राम पंचायत विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई है और एसवीपीएमसी

शेष पृष्ठ 4 पर

जनता दर्शन में माननीय उप राज्यपाल ने की विकासात्मक पहलों

पृष्ठ 1 का शेष

के लिए 18 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप पर दो माह के भीतर लाइट एंड साउंड शो शुरू किया जाएगा और एलिफेंट बीच सहित अन्य स्थलों पर फन राइड्स के सुरक्षित संचालन हेतु एसओपी को मंजूरी दी गई है। होमस्टे नीति में बड़ी राहत देते हुए कमरों की अधिकतम सीमा 6 से बढ़ाकर 8 कर दी गई है और मालिक के परिसर में रहने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप की जेटियों पर नवंबर के प्रथम सप्ताह से पाँच–पाँच ई–कार्ट शुरू किए जाएंगे। प्रशासनिक सुधार के तहत ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया का सरलीकरण कर पंजीकृत पते पर डिलीवरी की जाएगी। दिवंगत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों की अनुकम्पा नियुक्ति हेतु ग्रुप–सी पदों को भरने का प्रस्ताव रखा गया है। शिक्षा के क्षेत्र में अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) के साइंस ब्लॉक–ए की निविदा आवंटित कर दी गई है जबकि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट) में प्रोफेसरों की पदोन्नति के मामले विचाराधीन हैं। वृंदावन ग्राम में सामुदायिक विकास हेतु भूमि आवंटन का प्रस्ताव मूल्यांकनाधीन है।

विकासात्मक घोषणाओं के पश्चात माननीय उप राज्यपाल ने उपस्थित नागरिकों की व्यक्तिगत शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, विद्युत, भूमि एवं अन्य प्रशासनिक विषयों से संबंधित शिकायतों पर संबंधित विभागों के सचिवों



एवं वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई तथा त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख रूप से लिए गए कुछ निर्णय लिए गए:

'चिकित्सा सहायता: गंभीर रूप से बीमार पुत्र के उपचार के लिए उसकी माता को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सहायता के अतिरिक्त तत्काल 1 लाख रूपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की गई।

'नशीले पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई: डेयरी फार्म स्थित फिशरमैन विलेज जाने वाली सीशोर रोड पर नशीले पदार्थों की गतिविधियों संबंधी शिकायत पर पुलिस को तत्काल छापेमारी एवं दोषियों के विरुद्ध



सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

माननीय उप राज्यपाल ने जनता दर्शन में उपस्थित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों के साथ भी संवाद किया। उन्होंने द्वीपसमूह के विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनके महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए तथा संबंधित विषयों पर विचार–विमर्श किया।

माननीय उप राज्यपाल ने निर्देश दिया कि प्रत्येक 15 दिनों अथवा माह में एक बार ज़िला स्तर पर जनसुनवाई आयोजित की जाए, ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान संबंधित विभागों एवं अधिकारियों द्वारा स्थानीय स्तर पर ही किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान ज़मीनी स्तर पर संभव है, उन्हें अनावश्यक रूप से उच्च स्तर तक लाने के बजाय संबंधित अधिकारियों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर माननीय उप राज्यपाल ने इसमें भाग लेने वाले जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आम नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनता दर्शन के माध्यम से अपनी समस्याओं को सीधे माननीय उप राज्यपाल के समक्ष रखने तथा उनके समाधान के लिए तत्काल निर्देश प्राप्त होने पर आम नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रशासन और आम जनता के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने तथा जन शिकायतों के त्वरित समाधान की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

इसके पश्चात माननीय उप राज्यपाल ने नियुक्ति आदेश वितरण समारोह में वन विभाग के अंतर्गत चयनित वन क्षेत्रपाल (फॉरेस्ट रेंजर) अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर सभी चयनित अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं कर्तव्यपरायणता के साथ अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय ने भी जनता दर्शन की पहल के लिए माननीय उप राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।









अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से लोक निवास, श्री विजय पुरम में एसबीआई फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक श्री स्वपन धर एवं एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारीगण, समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) के निदेशक तथा सेंट मेरीज स्कूल के प्रबंधक के प्रतिनिधिमंडलों ने शिष्टाचार भेंट की।

वीबी–जी राम जी योजना के तहत ई–केवाईसी में अण्डमान–निकोबार देश में पहले स्थान पर

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने विकसित भारत–रोज़गार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी–जी राम जी, अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। केंद्रशासित प्रदेश ने योजना के तहत सक्रिय श्रमिकों का 99.84 प्रतिशत ई–केवाईसी पूरा कर देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। ई–केवाईसी की यह पहल श्रमिकों के अभिलेखों का प्रमाणीकरण सुनिश्चित करने तथा योजना से संबंधित आंकड़ों की विश्वसनीयता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके माध्यम से योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और डिजिटल प्रशासन को मजबूती मिलती है। साथ ही, ग्रामीण रोज़गार कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी और संचालन में भी सहायता मिलती है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने में ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, ज़िला प्रशासन, ब्लॉक स्तर के अधिकारियों, ग्राम पंचायतों तथा वीबी–जी राम जी



योजना के क्रियान्वयन से जुड़े अन्य कर्मचारियों और पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयासों की अहम भूमिका रही है।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की यह उपलब्धि ग्रामीण रोज़गार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, डिजिटल प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने तथा सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

17वीं और 18वीं लोकसभा के दौरान स्वीकृत एमपीलैड्स कार्यों की प्रगति की समीक्षा

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड्स) के तहत 17वीं और 18वीं लोकसभा के दौरान स्वीकृत विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए 30 अक्टूबर, 2026 को शाम 5 बजे सचिवालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में माननीय सांसद तथा आयुक्त–सह–सचिव (एपीडब्ल्यूडी) उपस्थित रहे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान, सचिव (एसवीपीएमसी), मुख्य अभियंता (एपीडब्ल्यूडी), निदेशक (परिवहन) सहित अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। बैठक के दौरान 18वीं लोकसभा के अंतर्गत स्वीकृत सभी विकास कार्यों की प्रगति तथा 17वीं लोकसभा के दौरान स्वीकृत लंबित कार्यों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों को सभी लंबित कार्यों के निष्पादन एवं पूर्णता में तेजी लाने तथा निर्धारित समय–सीमा के भीतर उन्हें पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में इस बात पर विशेष ज़ोर दिया गया कि सभी विकास



परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि इन कार्यों का लाभ आम जनता तक जल्द से जल्द पहुंच सके।

समीक्षा बैठक का उद्देश्य विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में तेजी लाना तथा लंबित परियोजनाओं को निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरा करना सुनिश्चित करना था।

राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक ने श्री विजय पुरम में पुलिस मरीन फोर्स की प्रमुख सुविधाओं का किया निरीक्षण

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक (एनएमएससी) वाइस एडमिरल बिस्वजीत दासगुप्ता (सेवानिवृत्त), पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम व वीएसएम ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के अपने दौरे के दौरान श्री विजय पुरम स्थित अण्डमान तथा निकोबार पुलिस समुद्री बल (पीएमएफ) की प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया।

अपने दौरे के क्रम में उन्होंने जंगलीघाट जेटी का दौरा किया, जहां समुद्री बल के विभिन्न समुद्री संसाधनों और उपकरणों का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने उपलब्ध संसाधनों की स्थिति तथा उनकी परिचालन तत्परता की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने पुलिस समुद्री बल की वर्कशॉप का निरीक्षण किया और समुद्री संसाधनों एवं संबंधित उपकरणों की मरम्मत, रखरखाव तथा उनकी उचित देखरेख से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक ने मरीन पुलिस ऑपरेशनल सेंटर (एमपीओसी) का भी दौरा किया। यहां उन्होंने मरीन पुलिस कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया तथा इसकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस दौरान समुद्री निगरानी और द्वीपों की तटीय सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए संचालित निगरानी, समन्वय एवं अन्य परिचालन गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की। इस अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार पुलिस समुद्री बल के अधिकारी, जिनमें पुलिस अधीक्षक (पीएमएफ)/राज्य समुद्री सुरक्षा समन्वयक, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, पुलिस



उपाधीक्षक (पीएमएफ) तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक को विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों और उनकी परिचालन क्षमताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस समुद्री बल के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस दौरे से समुद्री बल को अपनी परिचालन तैयारियों और उपलब्ध बुनियादी ढांचे को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। साथ ही, इससे बल की मौजूदा क्षमताओं को समझने तथा परिचालन ढांचे और रखरखाव सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक क्षेत्रों की पहचान करने में भी मदद मिली। यह दौरा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा और पुलिस समुद्री बल की परिचालन तैयारियों को मजबूत बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करता है।

शहीद द्वीप में 31 अक्टूबर को आयोजित होगा राजस्व शिविर न्यायालय

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल के निर्देशानुसार, ज़िला प्रशासन, दक्षिण अण्डमान द्वारा 'प्रशासन आपके द्वार' पहल के तहत 31 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे शहीद द्वीप के नील केंद्र स्थित ग्राम पंचायत कार्यालय में राजस्व शिविर न्यायालय का आयोजन किया जाएगा।

इस शिविर न्यायालय की अध्यक्षता सहायक आयुक्त, दक्षिण अण्डमान करेंगे। इसका उद्देश्य शहीद द्वीप के आम नागरिकों एवं पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के प्रतिनिधियों की जनसमस्याओं और राजस्व से संबंधित मामलों का समाधान करना है। इस पहल के माध्यम से आम जनता और पंचायत प्रतिनिधियों को अपनी शिकायतें एवं राजस्व संबंधी समस्याएं सीधे ज़िला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा, ताकि उनका शीघ्र परीक्षण कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शहीद द्वीप के सभी नागरिकों एवं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों से निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर शिविर न्यायालय में उपस्थित होने की अपील की गई है। उनसे अनुरोध किया गया है कि वे अपनी शिकायतों के साथ संबंधित आवश्यक दस्तावेज़ भी प्रस्तुत करें, ताकि सक्षम अधिकारियों द्वारा मामलों की उचित जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

ज़िला प्रशासन ने सभी संबंधित लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने तथा अपनी शिकायतों के निवारण के लिए शिविर न्यायालय में भाग लेने की अपील की है।

वेतन निर्धारण, एमएसीपी और आरटीआई पर प्रशिक्षण संपन्न

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण प्रभाग द्वारा कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय परिभ्रमण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय (टीजीसीई) के सभागार में हुआ। 'वेतन निर्धारण, एमएसीपी एवं सूचना का अधिकार (आरटीआई)' विषय पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के एकीकृत लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों की कार्यक्षमता और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाना था।

समापन समारोह में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सचिव श्री सतनाम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कर्मचारियों के निरंतर क्षमता निर्माण और कुशल प्रशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रशिक्षण एवं कौशल विकास की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन के लिए सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान द्वारा संस्थान की उप निदेशक सुश्री रिज़वाना बानो तथा उप निदेशक श्री सुधीर प्रताप सिंह परिहार को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।

पीएम–किसान योजना की 24वीं किस्त के लाइव प्रसारण का किया आयोजन

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) योजना की 24वीं किस्त जारी किए जाने के अवसर पर लाइव प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किस्त जारी किए जाने का सीधा प्रसारण किया गया।

यह कार्यक्रम संस्थान के गाराचरामा स्थित मुख्यालय, लक्षद्वीप के मिनिकॉय स्थित क्षेत्रीय केंद्र तथा दक्षिण अण्डमान, उत्तर व मध्य अण्डमान तथा निकोबार ज़िलों में संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) में एक साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न केंद्रों से कुल 287 किसानों ने भाग लिया। इनमें 184 पुरुष एवं 115 महिला किसान शामिल थे। इसके अतिरिक्त संस्थान के 111 वैज्ञानिकों, प्रशासनिक एवं तकनीकी कर्मचारियों ने भी लाइव प्रसारण में हिस्सा लिया। इस आयोजन के माध्यम से संस्थान ने किसानों तक अपनी पहुंच मजबूत करने और द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र में कृषि विकास को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। लाइव प्रसारण से पूर्व वैज्ञानिक–किसान संवाद बैठक का आयोजन किया गया। इस संवादात्मक सत्र में किसानों को अपनी कृषि संबंधी समस्याएं रखने, अनुभव साझा करने और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला। संस्थान के वैज्ञानिकों ने किसानों के सवालों का जवाब देते हुए उन्हें विभिन्न कृषि



समस्याओं के समाधान के लिए उपयुक्त तकनीकी सलाह और व्यावहारिक सुझाव दिए। कार्यक्रम के दौरान आईसीएआर–सीआईएआरआई द्वारा विकसित विभिन्न कृषि तकनीकों तथा प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानियों का भी प्रदर्शन किया गया। इसमें सफल किसानों के अनुभवों और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। साथ ही, वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से उनकी आजीविका में आए सकारात्मक बदलावों को भी रेखांकित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम ने द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों और संस्थान के कर्मचारियों को पीएम–किसान योजना की 24वीं किस्त जारी किए जाने के अवसर से जुड़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि पीएम–किसान योजना का उद्देश्य पात्र किसान परिवारों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना तथा उनकी आजीविका और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करना है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

तीनों ज़िलों के स्टाफ नर्सों को सर्पदंश की रोकथाम एवं नियंत्रण पर दिया गया ऑनलाइन प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सहयोग से 27 एवं 29 अक्टूबर, 2026 को सर्पदंश विषाक्तता की रोकथाम एवं नियंत्रण विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में दक्षिण अण्डमान, उत्तर व मध्य अण्डमान तथा निकोबार ज़िले के स्टाफ नर्सों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सर्पदंश विषाक्तता की रोकथाम एवं नियंत्रण के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुब्रत साहा ने सर्पदंश से होने वाली मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं को कम करने में स्वास्थ्य कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने, मरीज़ों को उचित स्वास्थ्य केंद्रों तक रेफर करने, एंटी–स्नेक वेनम (एएसवी) के सही समय पर उपयोग तथा सर्पदंश के बाद उत्पन्न विषाक्तता के प्रभावी उपचार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर ज़िला जन स्वास्थ्य अधिकारी (दक्षिण अण्डमान) डॉ. राजीव कुमार घोष (एमपीएच) ने सर्पदंश की शीघ्र पहचान, प्राथमिक उपचार के आवश्यक उपायों और सामुदायिक जागरूकता रणनीतियों पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने सर्पदंश के मामलों के प्रबंधन में वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित उपचार पद्धतियों और सर्वोत्तम चिकित्सा प्रक्रियाओं की जानकारी भी साझा की। साथ ही, मरीज़ों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर विशेष ज़ोर दिया।



यह प्रशिक्षण पहल स्वास्थ्य सेवा निदेशालय द्वारा स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता निर्माण और ज़मीनी स्तर पर आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का समापन सर्पदंश के मामलों से निपटने के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों को आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर चर्चा के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना की और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं जानकारी को अपने–अपने स्वास्थ्य केंद्रों में लागू कर मरीज़ों को बेहतर उपचार एवं सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सर्पदंश के मामलों में समय पर और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करना तथा इससे होने वाली मृत्यु एवं स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं को कम करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाना है।

आईसीएआर–सीआईएआरआई ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का सफलतापूर्वक मनाया

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम में 26 से 30 अक्टूबर, 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस दौरान सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इन कार्यक्रमों का आयोजन संस्थान की सतर्कता अधिकारी डॉ. टी. सुजाता तथा प्रशासनिक अधिकारी श्री कनिष्क भुकर द्वारा किया गया। संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. जय सुंदर के मार्गदर्शन में सप्ताह भर विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत 26 अक्टूबर को शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। इसके बाद श्री कनिष्क भुकर ने सार्वजनिक सेवाओं में निवारक सतर्कता और नैतिक आचरण के महत्व पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर कर्मचारियों के परिजनों ने भी ई–शपथ ग्रहण की। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों में सतर्कता संबंधी प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए iGOT प्रशिक्षण सत्र का आयोजन भी किया गया।

जनसंपर्क एवं जन–जागरूकता गतिविधियों के तहत विभिन्न ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, संस्थान के कर्मचारियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा वॉकथॉन का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के सहयोग से उत्तर व मध्य अण्डमान, दक्षिण अण्डमान तथा निकोबार ज़िले के विभिन्न



स्थानों पर ये कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें टुगापुर ग्राम पंचायत, पहाड़गांव, कमलापुर ग्राम पंचायत, हरिनगर, तमालू गांव (कार निकोबार) तथा आनंद मार्ग स्कूल, छोलदारी में जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। इन कार्यक्रमों में संस्थान के कर्मचारियों, किसानों और स्कूली बच्चों सहित कुल 311 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन 30 अक्टूबर को आयोजित समापन समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि सतर्कता केवल किसी एक विभाग या अधिकारी की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा ज़िम्मेदारी है। भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के लिए कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किसानों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

इस आयोजन के माध्यम से संस्थान ने ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा समाज में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने का संदेश दिया।

स्कूल ऑफ नर्सिंग के 22वें बैच के विद्यार्थियों के लिए हुआ लैंप लाइटिंग एवं शपथ ग्रहण समारोह

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

स्कूल ऑफ नर्सिंग, श्री विजय पुरम द्वारा 30 अक्टूबर, 2026 को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) के लेक्चर हॉल–2 में जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) के 22वें बैच के विद्यार्थियों के लिए गरिमामय लैंप लाइटिंग एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत के साथ हुई। इसके बाद स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. शाइनी वर्गीस ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने समारोह में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए नर्सिंग के क्षेत्र में अपने व्यावसायिक सफर की शुरुआत करने वाले नवप्रवेशी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं।

समारोह का मुख्य आकर्षण प्रथम वर्ष के जीएनएम विद्यार्थियों को नाइटिंगेल शपथ दिलाना रहा। जी.बी. पंत अस्पताल की मैट्रन श्रीमती जोहिना रियाज़ ने विद्यार्थियों को यह शपथ दिलाई। इस शपथ के माध्यम से विद्यार्थियों ने करुणा, नैतिकता, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ मरीज़ों की सेवा करने का संकल्प लिया। इसके बाद प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने समूह गीत प्रस्तुत किया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एनेक्स के परियोजना निदेशक डॉ. सुब्रतो साहा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बीमार और ज़रूरतमंद लोगों की सेवा में निःस्वार्थ भाव, समर्पण तथा करुणा के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से नर्सिंग के पेशे में मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि स्वास्थ्य विभाग के उप निदेशक डॉ. अविजीत रॉय ने विद्यार्थियों को नर्सिंग जैसे सेवाभावी पेशे को चुनने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने प्रत्येक कार्य और व्यवहार में मानवीय संवेदना एवं सहानुभूति का भाव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा के प्रति एक प्रतिबद्धता है। समारोह को और अधिक आकर्षक बनाते हुए स्कूल ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समापन स्कूल ऑफ नर्सिंग की उप प्राचार्या श्रीमती हप्सा बीबी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह ने इस महत्वपूर्ण संदेश को रेखांकित किया कि नर्सिंग के क्षेत्र में केवल चिकित्सकीय ज्ञान और व्यावसायिक कौशल ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इस पेशे की वास्तविक पहचान करुणा, दयालुता, संवेदनशीलता और मानवता की सेवा के प्रति समर्पण में निहित है।

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के पोर्ट ब्लेयर क्षेत्रीय केंद्र द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अवसर पर आज अपने परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक समुदाय और संस्थान के कर्मचारियों के बीच पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नैतिक प्रशासन के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर श्री विजय पुरम स्थित भ्रष्टाचार निवारण इकाई के निरीक्षक अब्दुल आरिफ और उप निरीक्षक वी.के. मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथियों ने कार्यक्रम की केंद्रीय विषयवस्तु 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा' पर विस्तार से अपने विचार रखे। निरीक्षक अब्दुल आरिफ और उप निरीक्षक वी.के. मौर्य ने अपने संबोधन में विभिन्न सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार से उत्पन्न चुनौतियों और इसके व्यापक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सार्वजनिक सेवाओं में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व को भी रेखांकित किया।

व्याख्यान के पश्चात एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें इग्नू के कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने भ्रष्टाचार निवारण अधिकारियों से पारदर्शिता, सार्वजनिक जवाबदेही तथा शिकायत निवारण प्रणाली से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण



सवाल पूछे और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुनील जैकब ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया तथा परिचयात्मक संबोधन दिया। अपने संबोधन में उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद करते हुए भ्रष्टाचार मुक्त लोक प्रशासन के निर्माण और देश में संस्थागत सत्यनिष्ठा एवं नैतिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में उनकी ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का समापन सहायक कुलसचिव श्री संजीव कुमार हीरा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डीओटी एवं बीएसएनएल पेंशनभोगियों के लिए डीएलसी 5.0 अभियान आगामी नवंबर में

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

संयुक्त नियंत्रक संचार लेखा कार्यालय, अण्डमान तथा निकोबार सर्किल द्वारा दूरसंचार विभाग (डीओटी) तथा भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के पेंशनभोगियों के लिए डीएलसी 5.0 अभियान आयोजित किया जाएगा। यह अभियान 10 नवंबर, 2026 को सुबह 10 बजे केंद्रीय सदन, श्री विजय पुरम स्थित संयुक्त नियंत्रक संचार लेखा कार्यालय में, 11 नवंबर, 2026 को सुबह 10 बजे बीएसएनएल कार्यालय, विम्बर्लीगंज में तथा 13 नवंबर, 2026 को सुबह 10 बजे बीएसएनएल कार्यालय, स्वराज द्वीप में आयोजित होगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार सर्किल के सभी डीओटी एवं बीएसएनएल पेंशनभोगियों से आग्रह किया गया है कि वे इस अभियान में भाग लेकर अपना डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र जमा करने की सुविधा का लाभ उठाएँ। किसी भी पूछताछ या अधिक जानकारी के लिए पेंशनभोगी सहायक लेखा अधिकारी (पेंशन) से मोबाइल नंबर 8900900528 पर संपर्क कर सकते हैं।

युवाओं के लिए फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं एथलेटिक्स की कोचिंग कक्षाएँ 2 नवंबर से

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

विम्बर्लीगंज शैक्षिक अंचल के उप शिक्षा कार्यालय द्वारा खेल एवं युवा कार्य निदेशालय के सहयोग से फरारगंज मिनी स्टेडियम में फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं एथलेटिक्स की कोचिंग कक्षाएँ आयोजित की जाएँगी। ये कक्षाएँ 2 नवंबर से शाम 3 बजे से शुरू होंगी। विम्बर्लीगंज शैक्षिक अंचल के सभी इच्छुक युवाओं एवं विद्यार्थियों को इन कोचिंग कक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, ताकि वे अपने खेल कौशल को निखारने के साथ–साथ शारीरिक फिटनेस में भी सुधार कर सकें। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए इच्छुक उम्मीदवार श्री प्रकाश एक्का, पीटीआई (पीई)–9531816465, सुश्री राजमुनी कुमारी, पीटीआई (पीई)–9476078445 से संपर्क कर सकते हैं।

ओंगी जनजाति के लाभार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

आईसीएआर–कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम के तत्वावधान में 26 अक्टूबर, 2026 को शुद्ध नारियल तेल (वीसीओ) उत्पादन, मधुमक्खी पालन एवं मसाला फसलों की खेती पर पांच दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसका उद्देश्य ओंगी जनजाति के लाभार्थियों के व्यावहारिक कौशल को बढ़ाना तथा उनके लिए आजीविका के नए अवसर विकसित करना है।

इस कार्यक्रम में डुगोंग क्रीक के ओंगी जनजातीय समुदाय के कुल 10 सदस्य भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को कृषि एवं उससे जुड़ी अन्य उपयुक्त गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिससे जनजातीय समुदाय की आजीविका में सुधार हो सके और उनकी आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायता मिले।

आईसीएआर–सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के कार्यवाहक निदेशक डॉ. जय सुंदर ने प्रशिक्षण में भाग ले रहे लाभार्थियों से संवाद किया तथा उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि, वर्तमान व्यवसाय और प्रशिक्षण कार्यक्रम से अपेक्षाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रतिभागियों को शुद्ध नारियल तेल उत्पादन, मधुमक्खी पालन एवं मसाला खेती से संबंधित प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा विषय विशेषज्ञों के साथ अपने विचारों एवं अनुभवों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ज़ोर दिया कि सक्रिय संवाद और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी तकनीकी कौशल एवं उपयोगी ज्ञान प्राप्त कर अपनी आजीविका के अवसरों को बेहतर बना सकते हैं।

बागवानी, मत्स्य पालन एवं फसल सुधार प्रभागों के प्रमुखों ने भी प्रतिभागियों के साथ संवाद किया और उन्हें कृषि तथा इससे संबद्ध विभिन्न आजीविका गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान मत्स्य पालन, सब्ज़ियों एवं फलों की खेती तथा पशुपालन से जुड़ी गतिविधियों, जैसे मुर्गी पालन और सूअर पालन, पर चर्चा की गई। साथ ही, इन गतिविधियों की आय सृजन और आजीविका के विविधीकरण में संभावनाओं को रेखांकित किया गया।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के जनजातीय कल्याण विभाग के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। उनकी भागीदारी ओंगी जनजातीय समुदाय के आजीविका विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व को दर्शाती है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से ओंगी जनजाति के प्रतिभागियों को चयनित कृषि एवं संबद्ध उद्यमों के संबंध में व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्राप्त होने की उम्मीद है। इससे आजीविका के विविधीकरण, आत्मनिर्भरता तथा आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिलेगी।

अण्डमान–निकोबार राज्य स्तरीय ओपन रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज प्रतियोगिता 14 व 15 नवंबर को

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

अण्डमान–निकोबार शतरंज संघ (एएनसीए) द्वारा 14 एवं 15 नवंबर को अण्डमान–निकोबार राज्य स्तरीय ओपन रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज प्रतियोगिता–2026 का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज प्रतियोगिता के लिए चयन परीक्षण के रूप में भी आयोजित की जाएगी।

रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 14 नवंबर को आयोजित होगी, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 10 मिनट का समय तथा प्रत्येक चाल पर 5 सेकंड का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इसमें कुल नौ चक्र होंगे। वहीं, ब्लिट्ज शतरंज प्रतियोगिता 15 नवंबर को आयोजित होगी, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 5 मिनट का समय तथा प्रत्येक चाल पर 3 सेकंड का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इसमें भी कुल नौ चक्र होंगे।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए विभिन्न पुरस्कार एवं ट्रॉफियां प्रदान की जाएंगी। रैपिड वर्ग में ओपन श्रेणी के शीर्ष पांच खिलाड़ियों, सात वर्ष से कम से लेकर 19 वर्ष से कम आयु वर्गों, सबसे कम आयु के सर्वश्रेष्ठ बालक एवं बालिका, 60 वर्ष से अधिक आयु के सर्वश्रेष्ठ वरिष्ठ खिलाड़ी तथा 20 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी को पुरस्कार दिए जाएंगे। निर्धारित व्यक्तिगत विशेष पुरस्कारों के लिए न्यूनतम चार अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ब्लिट्ज वर्ग में ओपन श्रेणी के शीर्ष पांच खिलाड़ियों, शीर्ष तीन पुरुष खिलाड़ियों तथा शीर्ष तीन महिला खिलाड़ियों को ट्रॉफियां प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, सात, नौ, 11, 13, 15 एवं 19 वर्ष से कम आयु वर्गों में बालक एवं बालिकाओं को पदक प्रदान किए जाएंगे।प्रतियोगिता में प्रवेश शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है तथा पंजीकरण की अंतिम तिथि 6 नवंबर है। इच्छुक खिलाड़ी एएनसीए कार्यालय में श्रीमती सुधा से 9933217055 पर संपर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं।

वंडूर समुद्री क्षेत्र में 14 बोतल आईएमएफएल और 24 बीयर के कैन बरामद, तीन व्यक्ति पुलिस को सौंपे गए

श्री विजय पुरम, 30 अक्टूबर।

आज दक्षिण अण्डमान के वंडूर समुद्री क्षेत्र में महात्मा गांधी मरीन नेशनल पार्क रेंज, वन्यजीव प्रभाग के वन कर्मियों द्वारा नियमित गश्त के दौरान न्यू वंडूर समुद्र तट के निकट एक लकड़ी की डोंगी खड़ी दिखाई दी। डोंगी की तलाशी लेने पर उसमें बैगों और एक प्लास्टिक ड्रम में रखी आईएमएफएल की 14 बोतलें तथा बीयर के 24 कैन बरामद किए गए। वन कर्मियों की टीम में वनपाल श्री निकोडिन बरवा तथा मजदूर श्री एम. महेंद्रन शामिल थे। डोंगी पर सवार तीन व्यक्तियों को बरामद शराब सहित पूछताछ के लिए वंडूर जेटी लाया गया।

चूँकि संबंधित व्यक्तियों के पास अनुमत सीमा से अधिक मात्रा में आईएमएफएल पाई गई, इसलिए इस मामले की सूचना हम्फ्रीगंज पुलिस थाने के थाना प्रभारी को दी गई। इसके बाद बरामद आईएमएफएल एवं बीयर तथा तीनों व्यक्तियों को लागू कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पूरी कार्रवाई वंडूर स्थित एमजीएमएनपी रेंज के रेंज अधिकारी की देखरेख में की गई।

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, बम्बूफ्लाट–। की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2025–26/118

कार्य का नाम : बम्बूफ्लाट–। ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड संख्या 07 में अप्पलस्वामी के घर से जोगा राव घर तक रिटेनिंग वॉल सहित सी सी ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव (पुनः निविदा)।

अनुमानित लागत : रु. 8,14,319/–, धरोहर राशि : रु. 16,286/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 04/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक। निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25496_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, छौलदारी की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/152

कार्य का नाम : छौलदारी ग्राम पंचायत के अंर्तगत वार्ड संख्या 01 में शिव मंदिर से एनएच मुख्य सड़क तक सी सी ड्रेन का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 7,15,392/–, धरोहर राशि : रु. 14,308/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 06/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25507_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, हट बे, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/144

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान की पंचायत समिति वी. के. पुर के अंतर्गत, वी.के. पुर 01 फिश मार्केट में टाइल्स लगाने और सी सी रोड के नवीनीकरण का कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 10,30,062/–, धरोहर राशि : रु. 20,601/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 02/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25439_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, हट बे, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/जीईएन/2026–27/147

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान हट बे ग्राम पंचायत के अंर्तगत इंदिरा बाजार वार्ड नम्बर 07 में सीसीएस के सामने स्थित मटन मार्केट का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 10,83,823/–, धरोहर राशि : रु. 21,676/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 02/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25416_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, होप टाउन की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/148

कार्य का नाम : होप टाउन, ग्राम पंचायत के अंर्तगत होप टाउन वार्ड संख्या 01 में होप टाउन ग्रामीण सड़क से लेकर थंगम के घर से वर्गीश के घर के पास वाले लिंक फुटपाथ तक सी सी फुटपाथ का विस्तार।

अनुमानित लागत : रु. 6,49,558/–, धरोहर राशि : रु. 12,991/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 03/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25467_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

APPRENTICESHIP MELA NOTICE

File No.1-7/DHS(N&MA)/Recr/Vol-IV/2016-17/223 Dated 29th October, 2026

Applications are hereby invited online through the Apprenticeship India Portal for engagement of eligible candidates as Apprentices under the Apprentices Act, 1961 and the rules framed thereunder, against the available apprenticeship seats in the District Health Society, North & Middle Andaman, Mayabunder.

Interested and eligible candidates are required to register/enroll themselves on the Apprenticeship India Portal and submit their applications online through: https://www.apprenticeshipindia.gov.in/

The details regarding the trade, number of seats, educational qualification, age limit, duration of apprenticeship and other applicable terms and conditions shall be as per the provisions of the Apprentices Act, 1961 and the applicable rules/guidelines.

Stipend:- Selected apprentices shall be paid stipend at the rates prescribed under the applicable rules/guidelines, depending upon their educational/technical qualification, skill levels and the category of apprenticeship.

Important Date

Last date for submission of online application: 07.11.2026 up to 12:00 Midnight

Applications received after the stipulated date and time shall not be considered.

Candidates are advised to ensure that they fulfil the prescribed eligibility criteria before submitting their applications. Mere submission of an application shall not confer any right for engagement as an Apprentice.

The Chairperson, District Health Society, North & Middle Andaman, Mayabunder reserves the right to modify/cancel the engagement process or alter the number of apprenticeship seats, as per requirement and applicable rules.

District Programme Manager,
District Health Society
North & Middle Andaman, Mayabunder

मूल्य संवर्धन और आधुनिक तकनीक से बढ़ेगी मछुआरों की आय

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर

मूल्य संवर्धन और आधुनिक तकनीक से न केवल देश के मछुआरों की आय बढ़ेगी, बल्कि उत्पादन से बाजार तक की पूरी प्रक्रिया बदल जाएगी। भारत का मत्स्य पालन क्षेत्र अब पारंपरिक मछली उत्पादन की सीमाओं से आगे बढ़कर बाजारोन्मुख उद्यमिता के नए दौर में प्रवेश कर रहा है।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने, मछुआरों और मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि करने तथा समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने में यह क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सरकार की विभिन्न योजनाओं, बुनियादी ढांचे में निवेश और तकनीकी नवाचारों के परिणामस्वरूप मत्स्य क्षेत्र की पूरी मूल्य शृंखला में बदलाव देखने को मिल रहा है। मत्स्य विभाग ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि मछली उत्पादन के साथ–साथ अब उसके प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, भंडारण और विपणन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेडी–टू–कुक और रेडी–टू–ईट मत्स्य उत्पादों की बढ़ती मांग ने मूल्य संवर्धन आधारित कारोबार के लिए नए अवसर खोले हैं। इससे उत्पादकों को बेहतर बाजार और उचित मूल्य मिलने की संभावनाएं बढ़ रही हैं। साथ ही फसलोत्तर नुकसान भी कम हो रहा है।

मत्स्य क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2015 से सार्वजनिक निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि की है। नीली क्रांति योजना, मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफआईडीएफ), प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई), प्रधानमंत्री मत्स्य समृद्धि सह–योजना (पीएम–एमकेएसएसवाई) और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से कुल 39,272 करोड़ रुपये की राशि प्रतिबद्ध की गई है। इन योजनाओं से देशभर के 74.66 लाख मछुआरों और मत्स्य पालकों की आजीविका को सहारा मिल रहा है।

मत्स्य उत्पादों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण तरीके से बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन व लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। 3,393.85 करोड़ रुपये के निवेश से मछली परिवहन प्रणालियों, थोक व खुदरा बाजारों, फिश कियोस्क, फीड मिल, आइस प्लांट, कोल्ड स्टोरेज और मूल्य संवर्धित उद्यम इकाइयों सहित 46,500 सुविधाओं का विकास किया गया है। इसके अलावा पांच आधुनिक एवं स्मार्ट मछली बाजार विकसित किए जा रहे हैं। इनमें उन्नत आईटी, हरित तकनीक और आधुनिक लॉजिस्टिक्स प्रणालियों को एकीकृत किया जा रहा है। इनसे लगभग 15,900 रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

सेबी ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए के.वाई.सी नियमों में बड़ी राहत दी

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कारोबार को आसान बनाने के उद्देश्य से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए के.वाई.सी नियमों में बड़ी राहत दी है। नए दिशा–निर्देशों के अंतर्गत सेबी ने विभिन्न श्रेणियों के एफ.पी.आई के लिए के.वाई.सी की समीक्षा की अवधि बढ़ा दी है।

नए नियमों के अनुसार, कम जोखिम वाले देशों से आने वाले श्रेणी–एक के एफ.पी.आई और कुछ विशेष नियमों के अंतर्गत पंजीकृत उच्च जोखिम वाली संस्थाओं के लिए अब केवाईसी की समीक्षा हर आठ साल में करनी होगी।

अन्य श्रेणियों के एफ.पी.आई, जिनमें विनियमित संस्थाएं और कम जोखिम वाले देशों के श्रेणी–दो के निवेशक शामिल हैं, उनके लिए भी समीक्षा की अवधि बढ़ाकर आठ साल कर दी गई है। हालांकि, कुछ अन्य संस्थाओं के लिए यह अवधि दो साल ही रहेगी।

सेबी ने अनुपालन का बोझ कम करने के लिए एफ.पी.आई को पंजीकरण जारी रखने के समय जानकारी में बदलाव की सूचना देने या कोई बदलाव नहीं होने का घोषणा–पत्र जमा करने की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी है। अब एफ.पी.आई को अगले तीन साल के लिए अपना पंजीकरण जारी रखने के लिए उसकी अवधि समाप्त होने से कम से कम 15 दिन पहले निर्धारित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों को जरूरी शुल्क देना होगा।

Andaman & Nicobar Administration
Directorate of Animal Husbandry & Veterinary Services
Haddo, Sri Vijaya Puram,
Andaman and Nicobar Islands 744102
Website:- https://ahvs.andamannicobar.gov.in Email:-dirahvsandaman@gmail.com

Invitation for Expression of Interest (EOI)

M-11011/1/2026-O/o SO(LS)-AHVS_AN/ Sri Vijaya Puram, dated / /2026

The Andaman & Nicobar Administration, through the Directorate of Animal Husbandry & Veterinary Services (DAH&VS), invites eligible entities to submit Expressions of Interest (EOI) for the "Establishment, Operation, and Maintenance of Pashu Aushadhi Vikray Kendras (PAVKs) under the Livestock Health & Disease Control Programme (LH&DCP)".

The guidelines containing detailed terms & conditions, scope of work and other details can be downloaded from the linkhttps://pashuaushadhi.dahd.gov.in/resources/homePage/99/RelatedDoc/OperationalGuidelinesForPashuAusadhi.pdf

Official portal - Applications are submitted via https://pashuaushadhi.dahd.gov.in/.

Key Details: Last date for Submission of EOI: 13.11.2026, 5:00 P.M.

Kindly read the eligibility criteria and other details in the guidelines.

For further information and clarifications, please contact:
Senior veterinary Officer (AH), DAH&VS
Phone: 03192 232612, Email: edpcellahvs@gmail.com

Director (AH&VS)

हर साल 31 अक्टूबर को क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय एकता दिवस? जानिए महत्व और इतिहास

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (आईएएनएस)।

राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह दिन भारत में राष्ट्रीय और राजनीतिक एकीकरण एवं एकता को बढ़ावा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करता है। यह दिन राष्ट्र की संप्रभुता, शांति और अखंडता को बनाए रखने के महत्व पर बल देता है और नागरिकों को विविधता में एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संकल्प लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस दिवस का सर्वप्रथम आयोजन भारत सरकार द्वारा राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल के उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित करने और इस दिवस को मनाने के लिए 2014 में किया गया था। इसके बाद 31 अक्टूबर 2015 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच निरंतर और सुसंगठित संपर्क स्थापित करने और उनके बीच आपसी समझ और जुड़ाव को बढ़ाने के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल की घोषणा की।

इस अवसर पर देश भर में 'रन फॉर यूनिटी' (एकता दौड़) का आयोजन किया जाता है, जिसमें लोग बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। सरकारी दफ्तरों, स्कूलों और संस्थानों में देश की एकता और सुरक्षा की रक्षा करने की शपथ (राष्ट्रीय एकता शपथ) ली जाती है।

गुजरात के एकता नगर (केवडिया) स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा) पर हर साल 31 अक्टूबर को देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस का भव्य आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होते हैं। इस साल भी भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री शामिल होंगे।

बता दें कि भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री



सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय एकीकरण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें 560 से अधिक रियासतों को एकीकृत करने और भारत संघ में शामिल करने का कार्य सौंपा गया था, जो भारत के क्षेत्रफल और जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत थीं। भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत, रियासतों के शासकों को यह विकल्प दिया गया था कि वे भारत या पाकिस्तान में शामिल होना चाहते थे या दोनों में से किसी में भी शामिल न हों।

सरदार पटेल ने विभाजन को रोकने के लिए कूटनीतिक वार्ता, समझा–बुझाकर और जहां आवश्यक हो, कड़े प्रशासनिक उपायों का सहारा लिया। अपने नेतृत्व वाले राज्य विभाग के माध्यम से सरदार पटेल ने 15 अगस्त 1947 तक या उसके तुरंत बाद इन राज्यों को सफलतापूर्वक एकीकृत कर लिया, जिससे आधुनिक भारत की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित हुई। उनके प्रयासों ने संभावित विखंडन को टाल दिया और एक एकीकृत लोकतांत्रिक गणराज्य की नींव रखी। सरदार पटेल के इन्हीं कार्यों को याद करने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है।–आईएएनएस

आयुष्मान वय वंदना योजना के दो साल पूरे, 23.46 लाख अस्पताल में भर्ती मामलों में केन्द्र ने खर्च किए 5,668.80 करोड़ रुपये

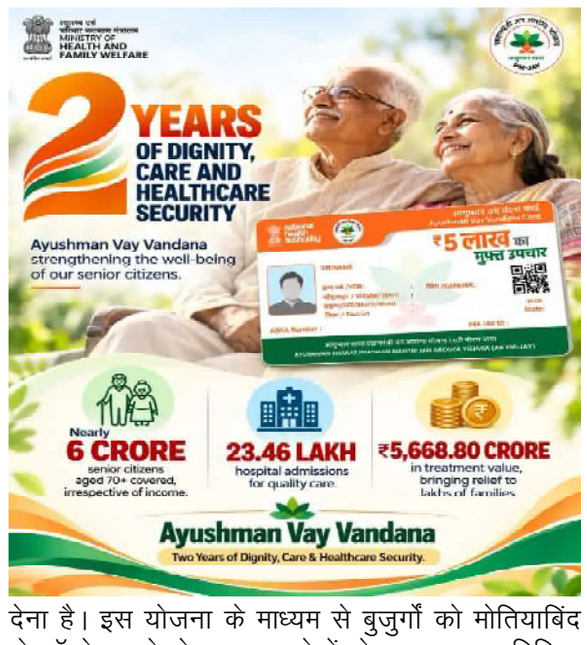
नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (हि.स.)।

केंद्र सरकार की आयुष्मान वय वंदना योजना के दो साल पूरे होने पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा ने एक सन्देश जारी करके कहा कि हमारे बुजुर्गों का सम्मानजनक जीवन, बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकता रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 29 अक्टूबर, 2024 को इस योजना की शुरुआत की थी। यह योजना 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के प्रत्येक पात्र वरिष्ठ नागरिक को सामाजिक–आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना, 5 लाख रुपये तक के मुफ्त अस्पताल उपचार की सुविधा प्रदान करती है।

पिछले दो वर्षों में 1.38 करोड़ कार्ड बनाए जाना और 23.46 लाख अस्पताल में भर्ती के मामलों को मंजूरी मिलना दर्शाता है कि यह पहल वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक उपचार तक पहुंच प्रदान कर रही है। 5,668 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के अस्पताल उपचार अधिकृत होना इस वित्तीय सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा संचालित यह योजना आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम–जेएवाई) का विस्तार है। इसका उद्देश्य देशभर में लगभग 4.5 करोड़ परिवारों के करीब 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा और इलाज के खर्च से राहत



देना है। इस योजना के माध्यम से बुजुर्गों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन से लेकर हृदय रोगों के उपचार तक विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। हृदय रोगों के इलाज को भी योजना के तहत विशेष महत्व दिया गया है। उन्नत हृदय उपचार और चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए 649 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है।

भारत और श्रीलंका की नौसेना का शक्ति प्रदर्शन, युद्धपोतों ने किया संयुक्त अभ्यास

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (आईएएनएस)।

भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने श्रीलंकाई नौसेना के साथ एक महत्वपूर्ण समुद्री अभ्यास भी किया है। इस नौसैनिक अभ्यास में भारत के तीन बड़े समुद्री जहाज शामिल हुए। नौसेना के आईएनएस तीर, आईएनएस सुजाता और भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस सारथी इस अभियान का हिस्सा थे। इस दौरान दोनों नौसेनाओं ने समुद्र में समन्वित गतिविधियां कीं।

इससे एक–दूसरे के साथ तालमेल बढ़ाने और मिलकर समुद्री अभियान संचालित करने की क्षमता को मजबूत करने में मदद मिली। अभियान में शामिल यह भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन है। नौसेना के मुताबिक, 29 अक्टूबर को श्रीलंका के कोलंबो से सफल दौरा पूरा कर पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन आगे रवाना हो गया। इस दौरान आईएनएस तीर, आईएनएस सुजाता और भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस सारथी ने श्रीलंकाई नौसेना के साथ कई गतिविधियों में हिस्सा लिया। वापसी के दौरान तीनों जहाजों ने श्रीलंका नौसेना के जहाज एसएलएनएस विजयबाहु के साथ संयुक्त समुद्री अभ्यास किया।

कोलंबो में इस दौरे का मकसद सिर्फ नौसैनिक संबंधों को मजबूत करना ही नहीं, बल्कि दोनों देशों के नौसैनिकों को एक–दूसरे के अनुभवों और कार्यप्रणाली से परिचित कराना भी था। प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी ने



तीनों जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों के साथ श्रीलंका नौसेना के पश्चिमी नौसैनिक क्षेत्र के कमांडर से मुलाकात की। इस बातचीत में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और समुद्री साझेदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

भारतीय नौसेना के प्रशिक्षुओं ने त्रिंकोमाली स्थित नौसेना एवं समुद्री अकादमी का दौरा किया। यहां उन्होंने श्रीलंका नौसेना के प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए। वहीं, श्रीलंका नौसेना के प्रशिक्षु भी भारतीय जहाजों पर पहुंचे। उन्होंने जहाजों पर उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं और वहां होने वाली गतिविधियों को करीब से देखा। इस तरह दोनों देशों के भावी नौसैनिक अधिकारियों को एक–दूसरे की प्रशिक्षण व्यवस्था और कामकाज समझने का अवसर मिला।